राज्यीसभा

अतारांकित प्रश्नएसंख्याए1258

04 मई, 2016 को उत्तेर के लिए

झारखंड में गुआ लौह अयस्क खानों की क्षमता में वृद्धि

1258. डा. प्रदीप कुमार बालमुचू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में स्थित गुआ लौह अयस्क खानें अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उत्पादन में वृद्धि हेतु कोई कार्य योजना परिकल्पित की गई है;

(घ) नई मशीनरी और प्रौद्योगिकी शामिल करने के लिए कितना परिव्यय निर्धारित किया गया है; और

(ङ) उत्पादन में वृद्धि के लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तङर

इस्पा त और खान राज्ये मंत्री (श्री विष्णुय देव साय)

(क) से (ङ) : जी हां। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) ने इस्पात संयंत्रों की बढ़ी हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए गुआ लौह अयस्क खान की क्षमता को 10 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) के स्तर तक बढ़ाने के लिए एक योजना आरंभ की है जिसमें 1.80 एमटीपीए लम्प, 4.2 एमटीपीए फाइन्स, 4.2 एमटीपीए पैलेट निहित है। बेनीफिशिएसन और पैलेटाइजेशन संयंत्र सुविधाओं की स्थापना करने का भी निर्णय लिया गया है। परियोजना हेतु कुल परिकल्पित परिव्यय 4794 करोड़ रुपए है। क्रशिंग प्लांट, डाउनहिल कन्वेयर, एक बेनिफिशिएसन संयंत्र और पैलेट संयत्र मॉड्यूल वाले मुख्य पैकेज के लिए ठेका पत्र अप्रैल 2014 में प्रदान कर दिया गया है।

***